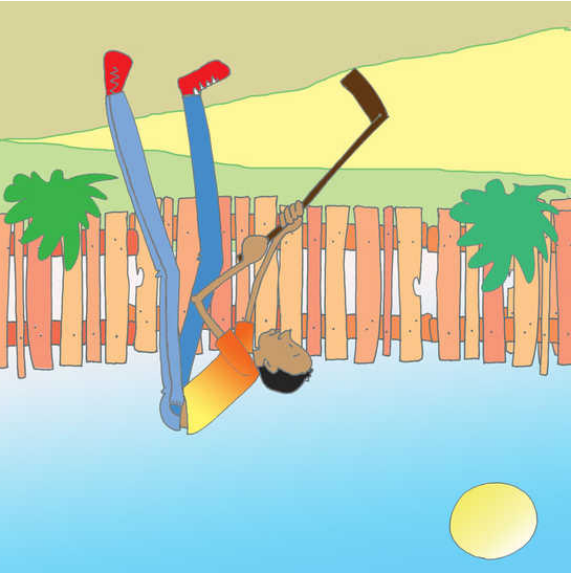




एक बड़ल लंवा आदमी



✎ Cornelius Gulere  
🔗 Catherine Groenewald  
📧 Kishan Singh Sirari  
😊 Hindi  
📖 Level 2



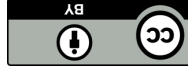
**Storybooks D.C.**

[global-asp.github.io/storybooks-dc](https://global-asp.github.io/storybooks-dc)

एक बड़ल लंवा आदमी

Written by: Cornelius Gulere  
Illustrated by: Catherine Groenewald  
Translated by: Kishan Singh Sirari

This story originates from the African Storybook ( [africanstorybook.org](https://africanstorybook.org) ) and is brought to you by Storybooks D.C. in an effort to provide children's stories in DC's many languages.

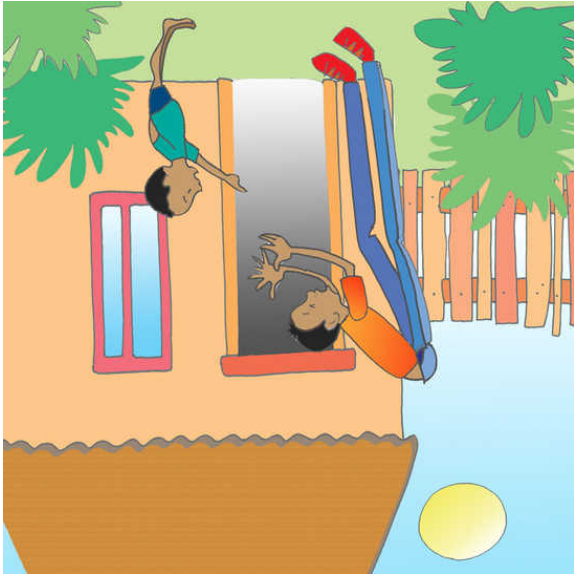


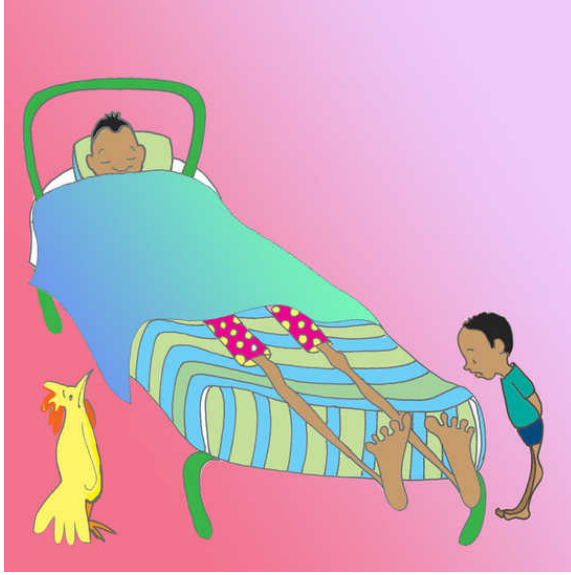
This work is licensed under a Creative Commons Attribution 3.0 International License.  
<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



उसका फावड़ा बहुत छोटा था।

ੴ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਸਾਹਿਬ





उसका पलंग बहुत छोटा था।

उसकी साइकिल बहिन छोटी थी।

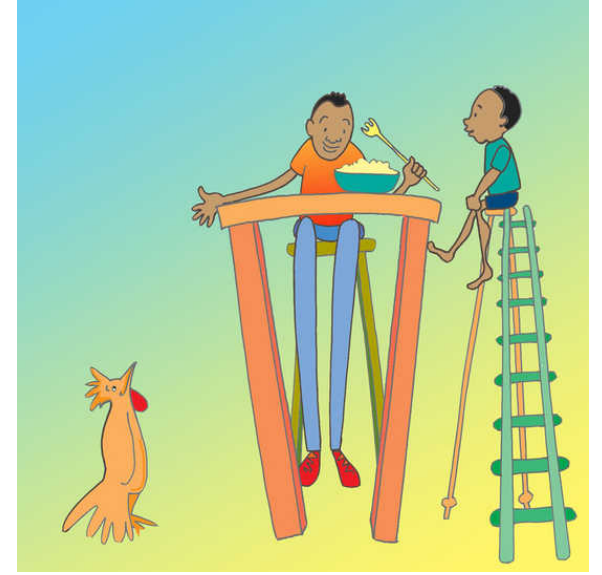


वह अपना घर छोड़ कर एक बड़े जंगल में रहने  
लगा। वहाँ पर वह कई सालों तक रहा।



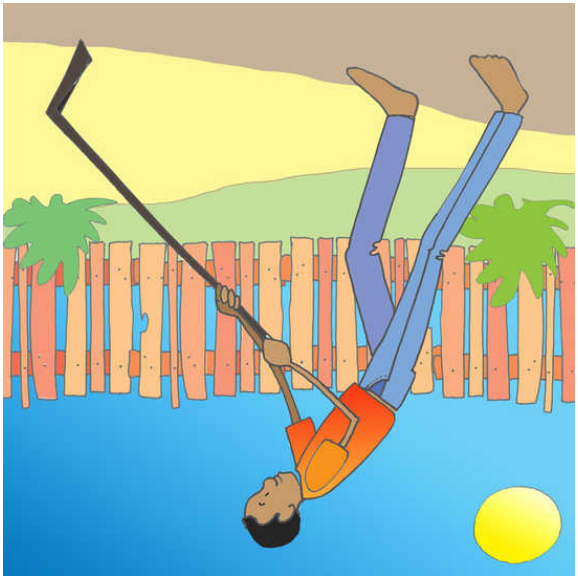


यह आदमी बहुत लंबा था।



वह एक ऊँची कुर्सी पर बैठा। उसने एक बहुत लंबे काँटे से खाना खाया।

उसने फावड़े का हथौड़ा बहिन लंबा बनाया।

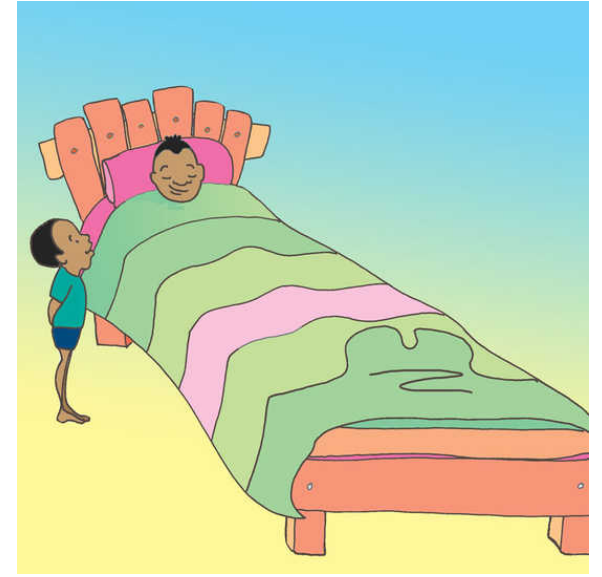


उसने एक ऊँची साइकिल खरीदी।





उसने दरवाज़े की चौखट बहुत ऊँची बनाई।



उसने बहुत लंबा पलंग बनाया।